

m
 y
 l





महादेव घाट सहित अनेक स्थानों में देवी प्रतिमा विसर्जन किया गया



रायपुर शहर के अनेक स्थानों में जंवारा विसर्जन झांकी निकाली गई

हाथी को बिना नुकसान पहुंचाए भानुप्रातपपुर के जंगल ले जाने का प्रयास, लेकिन वहां के ग्रामीण करते हैं पत्थरबाजी : डीएफओ

झंडी। जिले के जंगल में पहुंचे चंद हाथियों के साथ 22 हाथियों के दल ने भानुप्रातपपुर जंगल में प्रवेश किया। लेकिन रात 7 बजे करीब भानुप्रातपपुर वन क्षेत्र से लगे गांव के ग्रामीणों ने उन पर पत्थर बरसा दिया। मशाल एवं टार्च जलाकर कर हाथियों को वापस बालोद जिले की वन क्षेत्र सीमा रजौलीडीह जंगल भेज दिया। देवरा इस तरह की हलकत से बालोद वन विभाग की डीएफओ ने भानुप्रातपपुर वन क्षेत्र में हाथियों पर हो रहे अत्याचार को सिकात सीसीएफ से की है।

डीएफओ ने कहा कि हाथी को बिना नुकसान पहुंचाए जिले से बाहर भानुप्रातपपुर के जंगल जाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन वहां के ग्रामीण पत्थरबाजी करते हैं। पत्थर फेंकते हैं। टार्च एवं मशाल जलाने लगते हैं। जो गलत है। अब भानुप्रातपपुर डीएफओ व बालोद डीएफओ आपने-सामने हो गए हैं। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यापन लगा रहे हैं। इस घटना की जानकारी वन विभाग मुख्यालय रायपुर तक पहुंच गई है।

बालोद वन अमले ने रोका हाथियों का रास्ता

भानुप्रातपपुर डीएफओ मनोष



अब डर कहीं हाथियों को न आ जाए मुस्ता

हाथी रात रजौलीडीह के है। वही डेढ़ है कि इस दल पर ग्रामीण पत्थरबाजी व छेड़छाड़ कर रहे हैं। बच-बच से रजौलीडीह से हाथियों को मुस्ता न आ जाए। डर भी है कि तुलसे में आने से बड़ी घटना हो सकती है। लेकिन यह बात ग्रामीण नहीं मानते हैं।

दिनभर नहीं मिली हाथियों की खबर

दुष्कराद हरि हरिद्वी को दल वापस आने के बाद दलिकाव को दिनभर दल की खबर नहीं मिली। झंडी वन परिसर रजौलीडीह से बालोद जिले की रजौलीडीह के जंगल में था, लेकिन दलिकाव से अजली खबर नहीं है। अज्ञेय है कि वह रजौलीडीह के जंगल में ही लेगे। इतने दिन रिजल के अजली ने ग्रामीणों को भी अलर्ट कर दिया है। उधर हाथियों से छेड़छाड़ नहीं करने की सलाह दी है।

वन कर्मियों को वापस बुलाया

बालोद डीएफओ सतोविशा समानंदर ने कहा कि गरियाबंद से धमनी होते हुए हाथी बालोद जिले में प्रवेश किया। गुर वन क्षेत्र से होते हुए झंडी वन क्षेत्र तक बिना किसी परेशानी के सरल किया। जब भानुप्रातपपुर के रास्ते में जाने का प्रयास करते हैं तो

वहां के ग्रामीणों ने हाथियों पर पत्थरबाजी व पत्थर फेंककर वापस बालोद जिले की ओर खदेड़ देते हैं। हमने इसकी जानकारी भी सीसीएफ को दे दी है। भानुप्रातपपुर वन विभाग हमारे ही वन कर्मियों पर दोषारोपण कर रहा है। जिसके बाद हमने अपने सभी वन कर्मियों को रजौलीडीह वापस बुला लिया है।

डीएफओ ने कहा-हाथी हमारे जंगल में ही रहे तो मजबूर है

डीएफओ सतोविशा समानंदर ने कहा कि हाथियों के दल ने गुर वन क्षेत्र से झंडी वन क्षेत्र तक बिना किसी परेशानी के सरल किया। जब भानुप्रातपपुर के रास्ते में जाने का प्रयास करते हैं तो

वहां के ग्रामीणों ने हाथियों पर पत्थरबाजी व पत्थर फेंककर वापस बालोद जिले की ओर खदेड़ देते हैं। हमने इसकी जानकारी भी सीसीएफ को दे दी है। भानुप्रातपपुर वन विभाग हमारे ही वन कर्मियों पर दोषारोपण कर रहा है। जिसके बाद हमने अपने सभी वन कर्मियों को रजौलीडीह वापस बुला लिया है।

डीएफओ ने कहा-हाथी हमारे जंगल में ही रहे तो मजबूर है

डीएफओ सतोविशा समानंदर ने कहा कि हाथियों के दल ने गुर वन क्षेत्र से झंडी वन क्षेत्र तक बिना किसी परेशानी के सरल किया। जब भानुप्रातपपुर के रास्ते में जाने का प्रयास करते हैं तो

पढ़ाई तुंहर द्वार से आक्रोशित छात्र छात्राएं कर रहे हैं विरोध

गरियाबंद। पढ़ाई तुंहर द्वार का पालन किस हद तक सफल है, इसका सही मापन में कितना उपयोग छात्र छात्राएं कर रहे हैं जब हमने इस विषय पर चर्चा की तब अधिकतर लोगों ने जवाब में कहा कि हम वर्षों चिन छात्र छात्राओं ने स्कूल से कानूनी दूर जहां नेटवर्क भी उनके लिये दुर्लभ है। आप दिन यह खबर की जो असहजताएं पूरा नहीं करते उसकी जवाबदारी छात्र छात्राओं खुद ही रहते। छात्र छात्राओं में चिन व्याप्त है। कि कहीं हमारे इस वर्ष की पढ़ाई खर्च न हो जाये अपनी सम्पत्ति पत्रकारों के प्रभाव से सरकार तक रहना चाहते हैं कि जहां हर विभाग खुल चुका है कोराना से भय कम हो चुका है केवल शिक्षा का द्वार क्यों बंद है? या सरकार विचारियों को शिक्षा और संस्कृति से कोमो दूर रहना चाहती है, किसी अंतरराष्ट्रीय शब्दों की ओर ध्यान आकर्षित करती है। विगत माघ वर्ष से अब तक स्कूलों का बंद होना भारत को शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों से दूर करने की कोशिश को दर्शाता है। सरकार को चाहिए कि वो छात्र छात्राओं को उनके अधिकारों से वंचित न कर दूरस्थ क्षेत्रों के कि विचारियों के लिए सूचनाएं प्रेषित करते हेतु कोई सरलतम मार्ग अपनाये ताकि किसी विद्यार्थी का वर्ष खराब न हो जाए इस प्रकार की अदोशों से विद्यार्थियों को न डराए।

ग्राम कोपेकसा में 1 लाख रुपये की देवगुड़ी निर्माण कार्य सिरकूट

गरियाबंद। अनुसूचित जातों के ब्रह्म पुत्रा स्थल देवगुड़ी के परिषद एवं विकास मंड में स्वीकृत, देवगुड़ी निर्माण के लिए ग्राम पंचायत कोपेकसा का युवा पुजन जनपद पंचायत सभापति बालेंद्र कुमार यादव द्वारा किया गया। देवगुड़ी के लिए ग्राम वासियों द्वारा निगम कई वर्षों से देवगुड़ी निर्माण को मांग की जा रही थी। किंतु लगातार मांग करने के बावजूद इस पर कभी विचार नहीं किया गया था। सभापति के लगातार प्रयासों से देवगुड़ी निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके लिए समस्त ग्राम वासियों द्वारा एवं व्यक्त किया गया। ग्राम पुजन में सरपंच - पंच तथा ग्राम फेल के साथ समस्त ग्रामीण जन उद्बोधित रहे।

खेल गढ़िया राशि का सदुपयोग या कुछ और... ?

गरियाबंद। जिला अन्तर्गत मैमपुर विकासखंड मुख्यालय में गौरवार्ध में प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय की दीवार की सीन चित्र देख कुछ संदेह प्रतीत होता है, कि पूरे दीवार पर लगभग 25 से 30 चित्रों की पेंटिंग सजावट की गई है जो भी स्कूल के बाहरी दीवार पर? जबकि भीतर की दीवारों पर चुना भी नहीं पताया गया है और जर्जर हालात में दिख रहे हैं।

और बाहरी दिखानेवादी पेंटिंग से बच्चों का ध्यान आकर्षित करने जैसी कोई बात नहीं दिखती है। जिला बाहरी पेंटिंग दिखानेवादी राहगीर या उच्च कोटि के अधिकारियों को दिखाने का काम किया गया है। उनका ही भीतर के दीवार को यदि सुंदरता दी जाती तो शाहद बच्चों के लिए अक्षरों का केंद्र बनता और बच्चों को उन चित्रों से सिखा भी मिल पाता। बच्चे अपने समय स्कूल के भीतर ज्वाब दिखते हैं।

जो राशि इस बाहरी पेंटिंग को सराना के लिए बना दिया गया है, उसी राशि को अगर बच्चों के



खेलने की सामग्री में लगाते तो लोगों की जांच समिति गठित की जाती है।

जिसमें प्रधान पाठकों के बचान से लेकर जांच के सारे तथ्य सामने रखे भी जाते हैं। पर ना जाने क्यों पहले जिस जांच समिति की ओर से जांच कि फलज शिक्षा अधिकारी के उजल पर रखी जाती है।

और कार्यवाही को लेकर अपर कलेक्टर तक इसे भेजा भी जाता है। किंतु अचानक उस पक्षर को दफिन करने के लिए एक नया जांच समिति गठन किया जाता है।

और कार्यवाही को लेकर अपर कलेक्टर तक इसे भेजा भी जाता है। किंतु अचानक उस पक्षर को दफिन करने के लिए एक नया जांच समिति गठन किया जाता है।

सोचने का विषय यह है कि क्या पहले जिस जांच समिति द्वारा

रावन के बंधवा तालाब में जोत जवारा विसर्जन किया

नवप्रदेश संवाददाता

अर्जुनी। नव दिनों तक चलने वाली नवरात्र जो रविवार को संरक्ष हूरा। भकी ने देवी आराधना, उपनास ब्रत, धारण, संधाना करके 9 दिनों तक पूरी विधि विधान से पुजन कर शक्ति अर्जन किया। अर्जुनी के काली मंदिर, महामाया मंदिर, मायजी मंदिर, शीतला माता मंदिर व प्रमुख मंदिरों में हवन पुजन किया गया।



नव प्रदेश Health Online C.G.

सिरीयस मरीजी का अल्ट्राइल (उपचार दवाई), सर्वोत्कृष्ट उपचार, आधुनिक उपकरण, शिफ्ट सभी प्रकार की जांच सुविधा

100 बिस्तरों का सर्वोत्कृष्ट अस्पताल 24 घंटे उपलब्ध सुविधा

कोविड मरीजों के इलाज के लिए अलग व्यवस्था

राजा तालाब रोड, रायपुर, फोन : 0771-2425009, 2424737